

प्रसाधाररा

### EXTRAORDINARY

भाग II-- लण्ड 3---उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 281]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, धगस्त 14, 1969/आवरा 23, 1891

No. 281]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 14, 1969/SRAVANA 23, 1891

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF LAW

#### (Legislative Department)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th August 1969

- 8.0. 3302.—In exercise of the powers conferred by section 21 of the Presidential and Vice-Presidential Elections Act, 1952 (31 of 1952), the Central Government, after consulting the Election Commission, hereby makes the following rules further to amend the Presidential and Vice-Presidential Elections Rules, 1952, namely:—
- 1. Short title.—These rules may be called the Presidential and Vice-Presidential Elections (Amendment) Rules, 1969.
- 2. Amendment of rule 19.—In rule 19 of the Presidential and Vice-Presidential Elections Rules, 1952, in clause (a) of sub-rule (4), after the words "other physical infirmity", the words "or illiteracy or any other cause" shall be inserted

[No. F. 7(12)/69-Leg.II.]

N. D. P. NAMBOODIRIPAD, Jt. Secy.

(1157)

## विधि मंत्रालय

(विधायो विभाग)

# **ग्र**धिसूचना

<sup>--</sup>ई दिल्ली, 14 ग्रग्रस्त, 1969

सा० मा० 3303.—-राष्ट्रपति श्रीर उप-राष्ट्रपति निर्माचन श्रिविनियम, 1952 (1952 का 31) की धारा 21 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुं के श्रीय सरकार, निर्वाचन ग्रायोग से परामर्श के बाद, राष्ट्रपतीय श्रीर उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन नियम 1952 में पुनः संशोधन के लिये निश्नलिखित नियम बनाती है श्रिकार :~

- संक्षिप्त नाम—ये नियम राष्ट्रपतीय श्रौर उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन (संशोधन) नियम,
  1969 कहे जा सकेंगें।
- 2 नियम 19 का संशोषन— राष्ट्रपतीय ग्रीर उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन नियम, 1952 के नियम 19 के उप-नियम (4) के खड़ (क) में ग्रन्य शारीरिक ग्रशन्तता" शब्दों के बाद "या निरक्षरता या कोई श्रन्य कारण" शब्द श्रंत स्थापित किये जायेंगे।

[सं॰ फा॰ ७(12)/69-वि॰-II]

२न० डी० पी० नम्बूचिरियाद, संयुक्त सचित्र ।